विद्यालय नेतृत्व: माता-पिता को शामिल करना

हिन्दी
जब भी हम PTA call करते हैं, तो बहुत कम parents आते हैं। Rural area में ज़्यादातर parents को Parent Teacher Meeting की importance को उतना समझ नहीं पाए हैं। पर first time नहीं आए थे, पर second time parents आए थे। उनसे हम लोगों ने बच्चों की, जो बच्चों के academics के बारे में बात किया था। और उनके attendance के बारे में भी बात किया था। तो attendance में ज़्यादातर लोगों ने कहा कि, ''हम लोगों का ये काम रहता है, इसलिए हम लोग बच्चों को नहीं भेज पाते हैं।'' तो parents को भी हमने समझाया कि school की importance क्या है। और क्योंकि ज़्यादातर parents ऐसे हैं जो पढ़े-लिखे नहीं हैं। तो वो, उनके लिए पढ़ाई important तो है, लेकिन उसके लिए उन्हें क्या कोशिश करनी चाहिए, इस पर उनका उतना ध्यान नहीं है। तो उनको importance बतानी पडती है। और हम लोगों ने कुछ parents को identify कर रखा है। जो society में change ला सकते हैं। तो उन parents से कई बार, हम फोन पे भी बात कर लेते हैं। अगर मान लीजिए, कोई बच्चा हमारे school में कई दिनों तक नहीं आया, और उसके parents नहीं response कर रहे हैं। तो हम लोग पहले तो, अपने यहाँ के जो बच्चे हैं, उनसे message भिजवाते हैं कि 'आपका बच्चा बहुत दिनों से नहीं आ रहा है। इसकी application भी कोई नहीं है। क्या बात है?' अगर कोई genuine reason, बच्चा या उसका कोई friend,या कोई पड़ौसी बच्चा बताता है, तो फिर हम उसको confirm करने के लिए, जो हमारा हर गाँव में एक-दो parents ऐसे हैं, जिनसे हम contact में रहते हैं generally, तो वे उस बच्चे के घर जा के हमारा message कह देते हैं! और फिर वो बच्चे के parents को हम school में बुलाते हैं। अगर वो आ जाते हैं तो, ठीक है! Parents को school में बुलाना हमारे यहाँ, बहुत बडा challenge है। वो आते ही नहीं हैं। पर अब आने लगे हैं, क्योंकि मैं उनको पूरा respect देती हूँ, जब वो आते हैं। उनको कायदे से बिठाते हैं। उनसे पूरी बात करते हैं। और यहाँ गाँव के लोगों को थोडा उनके personal जो problems है उसके बारे में पूछो तो वो थोडा अपनी problems को बताते हैं, और फिर उसको solve भी करते हैं।

जैसे class tenth में एक लडकी है। उसकी mother यहाँ पर आई, के शाम को बच्चे को जल्दी ले जाना है, market जाना है, शादी है। फिर उसके बाद बीच में उन्होंने बात करते हुए मुझसे कहा कि, ‘‘दो दिन के लिए छुट्टी भी चाहिए।’’

तो मैंने उनसे पूछा कि, ‘‘कहाँ पर शादी है?’’

तो उन्होंने बताया कि, ‘‘यहीं, पास में गाँव है, वहाँ पे relative के यहाँ शादी है, जिसमें जाना है। और इसने बोला है कि school में छुट्टी नहीं मिलती है, इसलिए आप चलिए।’’

तो मैंने उनसे बोला कि, ‘‘Local शादी में जाने के लिए four-five kilometres पे, आप दो दिन का school क्यों absent करा रही हैं बच्चे का? Class tenth है! जो पढ़ाया जाएगा, वो miss होगा! फिर आप घर में help नहीं कर पाओगे!’’

तो मैंने उनको जब importance बताया कि, ‘‘आप four kilometres तो शाम को शादी में जा सकते हो, और रात में घर आ सकते हो!’’

तो फिर वो बच्ची, दोनों दिन school आई, और उसने छुट्टी नहीं लिया!